

**Федеральное государственное бюджетное образовательное
учреждение высшего образования
«РОССИЙСКАЯ АКАДЕМИЯ НАРОДНОГО ХОЗЯЙСТВА И
ГОСУДАРСТВЕННОЙ СЛУЖБЫ
ПРИ ПРЕЗИДЕНТЕ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ»**

Алтайский филиал

Утвержден
ученым советом Алтайского
филиала РАНХиГС
Протокол № 8
от «29» апреля 2021 г.

ОБРАЗОВАТЕЛЬНАЯ ПРОГРАММА ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ

Административное управление

КАЛЕНДАРНЫЙ УЧЕБНЫЙ ГРАФИК

уровень образования – бакалавриат

по направлению подготовки - 38.03.04 Государственное и муниципальное
управление

форма обучения: очная

Год набора - 2022

Барнаул, 2021 г.

Календарный учебный график по направлению подготовки 38.03.04 Государственное и муниципальное управление, профиль "Административное управление" очная форма обучения 2022 год набора

| № п/п | 1 | | 2 | | 3 | | 4 | | 5 | | 6 | | 7 | | 8 | | 9 | | 10 | | 11 | | 12 | | 13 | | 14 | | 15 | | 16 | | 17 | | 18 | | 19 | | 20 | | 21 | | 22 | | 23 | | 24 | | 25 | | 26 | | 27 | | 28 | | 29 | | 30 | | 31 | | 32 | | 33 | | 34 | | 35 | | 36 | | 37 | | 38 | | 39 | | 40 | | 41 | | 42 | | 43 | | 44 | | 45 | | 46 | | 47 | | 48 | | 49 | | 50 | | 51 | | 52 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|----------|--|--|
| | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | Сентябрь | | |

теоретическое обучение

нерабочие праздничные дни

Подготовка к защите выпускных квалификационных работ

Э

промежуточная аттестация

К

каникулы

О

ознакомительная практика

Пр

производственная практика

Нир

научно-исследовательская работа

Пд

преддипломная практика

Г

подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена